S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01	Free Press	Indore	01 .01.2024	04	City gears up to build on devpt push	Neutral

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | MONDAY | JANUARY 1, 2024 Pg-04

City gears up to build on devpt push

The year 2023 was a rollercoaster ride as Indore witnessed some tragic incidents like the Bawdi (stepwell) incident at Patel Nagar but also got some good news like the Metro trial run, and hosted some big events like Pravasi Bharatiya Diwas, and G-20 Summit. As we step into 2024 we hope to enter into a year in which the city sees swift development and no new dominating variant of the Coronavirus disease strikes. The year also brings the hope that we get better health facilities, infrastructure, transport and connectivity, and relief from traffic woes.

Citizens pin hope on Metro to cut down travel time

Infrastructure Development

It is expected that Metro train services will be thrown open for the public by March. This means that people can travel from Radisson Square to Gandhi Nagar corridor on this safe and fast mode of travel. In addition, the work of phase two of Metro from Robot Square to Palasia will start this year.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	नई दुनिया	इंदौर	01 .01.2024	04	मेट्रो मे जनता का सफर ओर इले वाहनों की बढ़ोतरी	Neutral

नईदुनिया
इंदौर, सोमवार 01 जनवरी, 2024
www.naidunia.com

II

मेट्रो में जनता का सफर और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ोतरी

आगामी वर्ष में जनता को मेट्रो में सफर करने का मौका मिलेगा। जून 2024 तक गांधी नगर स्टेशन से टीएसएस चौराहे तक 5.9 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा। इसके बाद दिसंबर 2024 तक एमआर-10 जंक्शन तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा और शहरवासी सफर कर सकेंगे। वर्तमान में शहर में मेट्रो कोच के दो सेट आ चुके हैं। अगले एक साल में मेट्रो कोच के सात सेट इंदौर पहुंच जाएंगे।

शहर में फिलहाल पर्यावरण हितैषी 40 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। अगले एक साल में 80 नई इलेक्ट्रिक बसों को संचालन शुरू होगा। शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बढ़ाए जाएंगे।

Metro News
02.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Free Press	Indore	02.01.2024	07	Metro work wards off pollution	Neutral

07 INDORE
BHOPAL | TUESDAY | JANUARY 2, 2024 www.freepressjournal.in

Metro work wards off pollution

ARSH RAFIK VISAAL
Indore

Environment conservation is one of the major needs of the time when global warming and other such events are on the rise. Keeping in mind the nature and safety of environment, the Indore Metro is taking measures to keep the construction site free from air pollution, sound pollution and garbage.

Here are a few measures which are followed at the Indore Metro construction site to avoid pollution.

Concrete waste management

The metro has made a small set-up at a site in which they gather concrete waste and process it inside the set-up. After being processed in the set-up, the waste is turned into concrete bricks which are used itself at the site for construction work. This helps in no wastage of concrete.

Officials said that during the work of concrete, there used to be a huge amount of waste concrete at the site either in concrete work or in other work. This waste is gathered in a container and then it is sent in the concrete process unit for reuse and recycling of the concrete. The machine makes the concrete waste into concrete cubes and bricks which are used further.

Water sparkling

Many heavy vehicles and heavy machines are operated at the construction site which emit smoke and movement of these heavy vehicles also circulate dust in the atmosphere. To avoid this, the Metro project is using sparklers at the site which are connected with a tanker and are being moved around the construction site. This way the dust on the ground gets moist and it does not flow in air due to vehicular movement.

Sound machine

Due to the construction work at the Metro site, huge sound gets produced which causes sound pollution. To resolve the issue, a sound machine is installed which detects the sound frequency and whenever the decibels of sound go beyond the normal sound, the machine alerts at the site and helps the working staff to reduce noise at the site and prevent sound pollution.

Nets at concrete machine

At the site, a concrete making machine has been installed by the Metro construction agencies for development of concrete at the site itself. The machine emits smoke and dust of cement which causes air pollution. To prevent pollution, Metro workers have installed green nets at the place from where cement particles flow into the air from the machine. With this netting, the particles remain inside the conveyor itself and no cement particle flows into the air.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	पत्रिका	इंदौर	02.01.2024	02	सुपर मेट्रो कॉरिडोर विकास के ट्रैक पर 2047 का इंदौर	Neutral

पत्रिका patrika.com
इंदौर, मंगलवार, 02 जनवरी, 2024 Pg-II

अमृत काल में बनाएं सपनों का शहर, 100 से ज्यादा नई कॉलोनी, जमीनों की कीमतें बढ़ीं, निवेश भी तेज

सुपर+मेट्रो कॉरिडोर: विकास के ट्रैक पर 2047 का इंदौर...

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंदौर, एयरपोर्ट से लगा हिस्सा पहले शहर का बाहरी हिस्सा माना जाता था, लेकिन अब यह खास हो गया है। पहले बना सुपर कॉरिडोर और अब मेट्रो कॉरिडोर ने इसे यह हैसियत दी है। मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ यहां मप्र का सबसे बड़ा स्टार्टअप पार्क आकार लेने को है। जल्द ही मुख्य सड़क पर गगन छूती इमारतें भी नजर आएंगी। पिछले 2-3 साल में इस हिस्से में 100 से ज्यादा नई कॉलोनियां आ गई हैं। 2047 तक विकास का ऐसा ही दौर होगा।

मेट्रो के ट्रायल रन के बाद लोगों का नजरिया बदला

करीब 11 किमी लंबे लक्कुश चौराहे से गांधी नगर डिपो तक का सुपर कॉरिडोर एरिया अब इंदौर के नेक्स्ट लेवल रूप में नजर आने लगा है। मेट्रो के ट्रायल रन के बाद इस हिस्से को देखने का लोगों का नजरिया ही बदल गया है। प्रॉपर्टी निवेश की पूछताछ के लिए अब यहां हर दिन लोगों की भीड़ लगी रहती है। एयरपोर्ट को सांवेर रोड व इंदौर-भोपाल बायपास से जोड़ने के लिए सिक्स लेन का सुपर कॉरिडोर आइडीए ने बनाया था।

पत्रिका स्पॉट लाइट

मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान

आइडीए सीईओ आरपी अहिरवार के मुताबिक, सुपर कॉरिडोर के इलाके को विकसित करने के साथ वहां मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान है। स्कीमों में सड़कें बना दी गई हैं, अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में अभी स्ट्रीट लाइटें नहीं लग पाई हैं, जिसके लिए काम किया जा रहा है। अन्य नए काम भी जल्द शुरू किए जाएंगे।

आइडीए की पांच स्कीम, 1500 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए

आइडीए ने सुपर कॉरिडोर बनाने के साथ यहां करीब 1,01,415 हेक्टेयर जमीन पर पांच स्कीम लॉन्च की। विकास कार्यों पर भी जमकर पैसा खर्च हुआ। आइडीए ने मुख्य सुपर कॉरिडोर के साथ सर्विस रोड बनाई, ग्रीन बेल्ट विकसित किए, स्कीम तक जाने की अप्रोच रोड बनाई। बेसिक सुविधाएं आइडीए ने विकसित कीं तो अब नई कॉलोनियां तेजी से बढ़ रही हैं। स्थिति यह है कि सुपर कॉरिडोर के मुख्य हिस्से के साथ करीब 5 किमी अंदर तक खेती की जमीन के डायवर्शन के बाद कॉलोनी बन रही है। गाइड लाइन करीब एक हजार रुपए वर्गफीट है, लेकिन न्यूनतम 5 हजार स्क्वेयर फीट में प्लॉट बेचे जा रहे हैं। पांच स्कीमों को विकसित करने में आइडीए 1457 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है।

बड़ी कंपनियां, कॉलेज के साथ अब व्यावसायिक सेंटर

सुपर कॉरिडोर पर शासन ने टीसीएस, इन्फोसिस को जमीन दी और उनकी यूनिट भी शुरू हो गई हैं। इन कंपनियों में अभी हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। कई कॉलेजों को जमीनें दी गईं, कुछ शुरू भी हो गए। अब यहां बड़ी होटल, व्यावसायिक सेंटर बनाने की तैयारी है। यहां मुख्य सड़क पर 50 हजार स्क्वेयर फीट से लेकर डेढ़ लाख स्क्वेयर फीट तक के प्लॉट निजी कंपनियों ने खरीदे हैं। जल्द ही यहां नई बिल्डिंगें बनने का काम शुरू हो जाएगा। आइडीए ने पांच स्कीम में करीब 32.81 किमी की सड़कें बनाई और बिजली के पोल स्थापित किए।

हाइटेक सुपर सिटी से लेकर कवर्ड कॉलोनियों की भी बढ़ रही मांग

सुपर कॉरिडोर पर जमीनों की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है। निवेश करने वाले यहां रुचि दिखा रहे हैं। अब यहां पर 300 करोड़ रुपए की हाइटेक सुपर सिटी लाने का प्लान भी निजी डेवलपर कर रहे हैं। रोबोटिक सिक्योरिटी सिस्टम के साथ हाइटेक सिटी बनाई जाएगी। साथ ही यहां कवर्ड कॉलोनियां भी पूरी सुविधा के साथ आ रही हैं। हाल ही में एक बड़े ग्रुप ने कवर्ड कॉलोनी लॉन्च की, जो दो दिन में ही बुक हो गई। हर दिन बड़ी संख्या में लोग यहां प्लॉट की जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। जानकारी देने के लिए कॉलोनाइजरों की टीम तैनात है। मई में मेट्रो का कमर्शियल रन होने की तैयारी है। इसके बाद यहां और तेजी आएगी।

टॉपिक एक्सपर्ट मनीष कुमट, आर्किटेक्ट

ट्रैफिक, हरियाली, बिजली-पानी की हो सुविधा

किसी भी शहर की पहचान एयरपोर्ट से होती है और सुपर कॉरिडोर से एयरपोर्ट पर आने वाले बाहरी लोगों को आकर्षित किया है। इस हिस्से में बड़ी कंपनियां, बड़े प्रोजेक्ट के साथ नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। विकास के लिए प्लानिंग कर काम करना होगा।

- **ट्रैफिक:** सुपर कॉरिडोर चौड़ी सड़क है, मेट्रो कॉरिडोर भी आ गया है। आसपास कॉलोनियां बढ़ रही हैं, जिससे ट्रैफिक का दबाव बढ़ेगा। कॉलोनियों में जाने में सुगमता हो, वहां रहने वाले लोग सुरक्षित यात्रा कर सकें, इसके लिए अभी से प्लानिंग बनाकर चौराहों पर व्यवस्था करनी जरूरी है।
- **हरियाली:** कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, अन्य विकास भी हो रहा है। पौधरोपण कर उनके बड़े होने तक देखरेख की प्लानिंग करनी होगी।
- **बिजली-पानी:** नई कॉलोनियों में नर्मदा का पानी पहुंचाने की योजना बनानी होगी। लोग भूमिगत जल पर कब तक निर्भर रहेंगे? सुपर कॉरिडोर पर बारिश के पानी की निकासी की सही व्यवस्था नहीं है। इससे एयरपोर्ट जाने वाले परेशान होते हैं। इसका भी निराकरण करना होगा।

रीवर फ्रंट के लिए हटेगी शिवाजी मार्केट की दुकानें, दस्तावेजों की हो रही जांच

इंदौर. किलनपुरा पुल के पास कान्ह नदी के किनारे बने शिवाजी मार्केट को तोड़कर रिवर फ्रंट को विकसित किया जाएगा। इसके लिए शिवाजी मार्केट के व्यापारियों को शिफ्ट करने के लिए तेजी से दस्तावेजों की जांच हो रही है।

नगर निगम के सामने कान्ह नदी किनारे शिवाजी मार्केट है। इस मार्केट में करीब 126 दुकानें हैं। मार्केट के पिछले हिस्से में कान्ह नदी है जिसके आसपास के हिस्से को विकसित किया है, वहां बगीचे बनाए हैं। दुकानों के कारण कान्ह नदी का हिस्सा नजर नहीं आता है इसलिए नगर निगम मार्केट को हटाने की योजना पर काम कर रहा है। पास के नंदलालपुरा मार्केट में व्यापारियों को शिफ्ट करने की तैयारी है। हालांकि व्यापारी वहां जाना नहीं चाहते हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि मार्केट की दुकानों को तोड़कर रीवर फ्रंट को विकसित किया जाएगा, जिसके कारण यहां सौंदर्यीकरण नजर आएगा। शाम के समय लोग यहां पर टहलने आएंगे, बाजार के हिस्से में कान्ह नदी नजर आएगी। नगर निगम इस महीने मार्केट को हटाने की तैयारी में है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	पत्रिका	इंदौर	03.01.2024	02	मेट्रो स्टेशनों पर पानी –सीवरेज की व्यवस्था, ग्रीन बनाने पर भी ध्यान	Neutral

02 पत्रिका patrika.com
इंदौर, बुधवार, 03 जनवरी, 2024

मेट्रो स्टेशनों पर पानी-सीवरेज की व्यवस्था, ग्रीन बनाने पर भी ध्यान

इंदौर @ पत्रिका. मेट्रो कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त प्रबंध संचालक व निगमायुक्त हर्षिकासिंह ने निगम व मेट्रो के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। मेट्रो स्टेशनों पर पानी व सीवरेज की व्यवस्था करने के लिए निगम अफसरों को कहा गया। स्टेशनों को ग्रीन सस्टनेबेल बनाने के लिए भी निर्देशित किया।

नगर निगम में हुई बैठक में निगम के साथ मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। आयुक्त ने दोनों विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से निरीक्षण करने के लिए कहा। मेट्रो रूट पर आने वाले पेड़ों का ट्रांसप्लांट के लिए वृक्ष प्रत्यारोपण अनुमति, मेट्रो स्टेशन पर पानी की व्यवस्था, सीवरेज लाइन, डिवाइडर

पर लगे विद्युत पोल हटाने की व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया। मेट्रो स्टेशनों को ग्रीन और सस्टेनेबल बनाने पर चर्चा कर व्यवस्थाओं के लिए कहा गया। अधिकारियों ने स्कीम नं. 94 रिंग रोड, रोबोट चौराहे एवं खजराना चौराहा के समीप आंशिक भूमि पर निर्माण के लिए अनुमति मांगी है जिस पर बाद में फैसला होगा।

Metro News
05.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Free press journal	Indore	05.01.2024	02	Metro takes steps to reduce pollution	Neutral

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | FRIDAY | JANUARY 5, 2024 02

Metro takes steps to reduce pollution

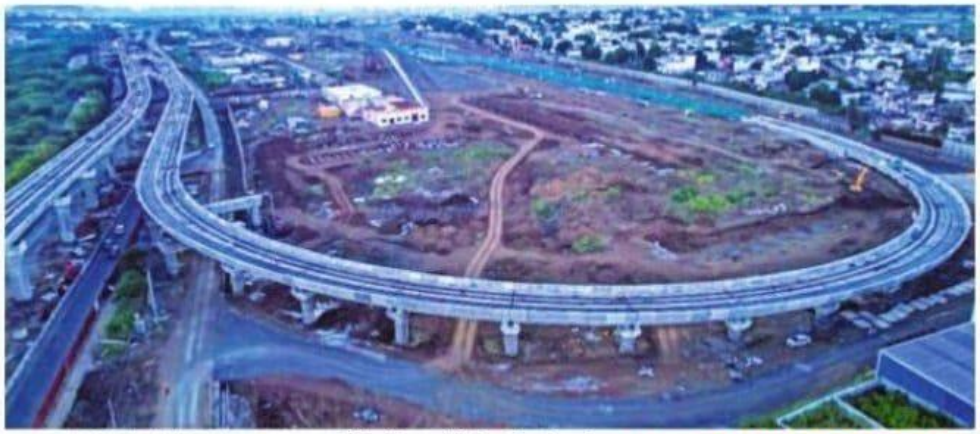

ARSH RAFIK VISAAL
city.indore@fpj.co.in

Environment conservation is one of the major needs of the time when global warming and other such events are on the rise. Keeping in mind the nature and safety of environment, the Indore Metro is taking measures to keep the construction site free from air pollution, sound pollution and garbage.

Here are a few measures which are followed at the Indore Metro construction site to avoid pollution.

CONCRETE WASTE MANAGEMENT

The metro has made a small set-up at a site in which they gather concrete waste and process it inside the set-up. After being processed in the set-up, the waste is turned into concrete bricks which are used itself at the site for construction work. This helps in no wastage of concrete.

Officials said that during the work of concrete, there used to be a huge amount of waste concrete at the site either in concrete work or in other work. This waste is gathered in a container and then it is sent in the concrete process unit for reuse and recycling of the concrete. The machine makes the concrete waste into concrete cubes and bricks which are used further.

WATER SPARKLING

Many heavy vehicles and heavy machines are operated at the construction site which emit smoke and movement of these heavy vehicles also circulate dust in the atmosphere. To avoid this, the Metro project is using sparklers at the site which are connected with a tanker and are being moved around the construction site. This way the dust on the ground gets moist and it does not flow in air due to vehicular movement.

SOUND MACHINE

Due to the construction work at the Metro site, huge sound gets produced which causes sound pollution. To resolve the issue, a sound machine is installed which detects the sound frequency and whenever the decibels of sound go beyond the normal sound, the machine alerts at the site and helps the working staff to reduce noise at the site and prevent sound pollution.

NETS AT CONCRETE MACHINE

At the site, a concrete making machine has been installed by the Metro construction agencies for development of concrete at the site itself. The machine emits smoke and dust of cement which causes air pollution. To prevent pollution, Metro workers have installed green nets at the place from where cement particles flow into the air from the machine. With this netting, the particles remain inside the conveyor itself and no cement particle flows into the air.

Metro News
07.01.2024

S.No.	Sour ce	Edition	Date	Page	Context	Type
07	Free press journal	Indore	07.01.2024	07	Metro segment launching work begins	Neutral

INDORE CITY
INDORE | SUNDAY | JANUARY 7, 2024 www.freepressjournal.in

Metro segment launching work begins

Indore: Metro work is going on at full pace and now the segment launching work on the route from MR 10 bridge towards Luvkush Square has started and launchers have been set up. Similarly, the rotary at Sayaji Circle has been also dismantled and will be replaced by a smaller rotary to ensure smooth traffic flow. Also, work is going on at Radisson Square and the route along the Robot Square and other parts of the track. It is expected that by March the Metro will be thrown open to the public for travelling and soon the work on the route from Robot Square to Palasia will get started.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Nai Duniya	Indore	07.01.2024	01	देश में हर दिन एक करोड़ लोग कर रहे मेट्रो में सफर	Positive

वर्ष 77 अंक 213
कुल पेज 16 + 4 + 4 = 24
नगर संस्करण
कीमत 6.00
पौष मास कृष्ण पक्ष एकादशी सं. 2080
इंदौर, रविवार, 07 जनवरी, 2024

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

www.naidunia.com

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

देश में हर दिन एक करोड़ लोग कर रहे मेट्रो में सफर

- शहरी विकास मंत्रालय ने ब्रिटिश अखबार के दावे को दिखाया आइना
- मंत्रालय का दावा, देश की लगभग सभी मेट्रो लाभ में चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकसित राष्ट्र की ओर भारत आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रभाव और उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार की ओर से किये गए संरचनात्मक सुधार, डिजिटलाइजेशन, प्रोडक्टिविटी से भारत के विकास की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से सिद्धि के प्रयास की गुलाबी तस्वीर कई क्षेत्रों में दिखाई दे रही है। जहां देश में एक करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन मेट्रो में सफर कर रहे हैं, वहीं पिछले 20 वर्षों में अकेले गुजरात में साढ़े चार लाख करोड़ का विदेशी निवेश आया है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विकसित भारत के लिए सरकार ने 2030 तक दो गुना नामांकन का लक्ष्य तय किया है।

देश में मेट्रो यात्रियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मेट्रो में दैनिक यात्रियों की संख्या 10 मिलियन यानी एक करोड़ पार कर चुकी है। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि यह आंकड़ा एक या दो साल में 12.5 मिलियन यानी सवा करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार का यह आंकड़ा भारत में मेट्रो को लेकर ब्रिटिश अखबार के दावे के बाद आया है। ब्रिटिश अखबार द इकोनामिस्ट ने 23 दिसंबर, 2023 को 'क्रिसमस डबल' शीर्षक वाले अंक में भारत की मेट्रो रेल प्रणालियों के बारे में एक लेख में इस तथ्य की गलत व्याख्या की है कि भारत की विशाल मेट्रो व्यवस्था पर्याप्त संख्या में यात्रियों को आकर्षित करने में विफल हो रही है। इस लेख में तथ्यात्मक गलतियों के साथ-साथ वैसे आवश्यक संदर्भ भी नहीं हैं, जिसके आधार पर भारत के बढ़ते मेट्रो रेल नेटवर्क का अध्ययन किया जाना चाहिए।

मंत्रालय का दावा है कि भारत में मेट्रो यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी जा रही है और जैसे-जैसे हमारी मेट्रो प्रणाली विकसित होगी, यह संख्या बढ़ती जायेगी। यह भी देखना चाहिये कि देश की लगभग सभी मेट्रो लाभ में चल रही हैं।

विकसित भारत के लिए उच्च शिक्षा में दो गुना किया नामांकन का लक्ष्य

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र ने शनिवार को कहा कि भारत ने अधिक लोगों को अध्ययन और कुशल कार्यबल में शामिल करके एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के अपने प्रयास में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात को वर्तमान के 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 2030 तक 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। प्रधान ने कहा कि भारत का 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य कोई काल्पनिक विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि देश लोगों के जीवन स्तर और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, परिवहन को टिकाऊ और किफायती बनाने और आर्थिक अवसरों में अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

Metro News
10.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	पत्रिका	इंदौर	10.01.2024	2	ये इंदौर मेट्रो है.. अब तीसरा कोच आया,जून तक कमर्शियल रन का लक्ष्य	Neutral

INDOREPRIME
इंदौर प्राइम
पत्रिका patrika.com
इंदौर, बुधवार, 10 जनवरी, 2024
Pg-02

ये इंदौर मेट्रो है...

अब तीसरा कोच आया, जून तक कमर्शियल रन का लक्ष्य

इंदौर @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन का तीसरा कोच मंगलवार को इंदौर आ गया। तीन बोगी के कोच को गांधीनगर डिपो पर उतारा गया है। जल्द ही इसे ट्रैक पर चलाकर ट्रायल किया जाएगा। अगस्त में वडोदरा से तीन बोगी वाला कोच आया था। 30 सितंबर को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में 5.9 किमी के हिस्से में ट्रायल रन भी किया गया। 26 दिसंबर को दूसरा कोच इंदौर पहुंचा था। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों की देखरेख में मेट्रो ट्रैक का काम तेजी से चल रहा है। जून 2024 में गांधीनगर से टीसीएस चौराहे तक मेट्रो ट्रेन के कमर्शियल रन करने का लक्ष्य है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	नई दुनिया	इंदौर	10.01.2024	05	गांधीनगर डिपो पहुंचा मेट्रो कोच का तीसरा सेट	Neutral

गांधीनगर डिपो पहुंचा मेट्रो कोच का तीसरा सेट

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गांधी नगर स्थित मेट्रो डिपो परिसर में मंगलवार सुबह मेट्रो कोच का तीसरा सेट पहुंचा। वड़ोदरा (गुजरात) के सांगली से मेट्रो के तीन कोच अलग-अलग ट्रालों पर तीन दिन में इंदौर पहुंचे। शाम पांच बजे डिपो परिसर में विशेष क्रेन के माध्यम से तीनों कोचों को ट्रालों से उतारकर पटरियों पर रखा गया और तीनों को जोड़ा गया। अब इन कोच को टेस्टिंग और कोच के तारों को जोड़कर विद्युतीकरण व साफ्टवेयर अपडेशन का काम किया जाएगा। इसके बाद इन तीनों कोच को पटरियों पर चलाया जाएगा। इस वर्ष के अंत में कमर्शियल ट्रायल रन होगा।

क्रेन से तीनों कोचों को ट्रालों से उतारा गया।। • नईदुनिया

इंदौर मेट्रो

- एक सेट में तीन कोच
- 25 सेट चलाने की है योजना
- 30 अगस्त : मेट्रो कोच का पहला सेट आया।
- 26 दिसंबर : दूसरा सेट आया।
- 9 जनवरी : तीसरा सेट आया।
- जून 2024 : सुपर कारिडोर पर गांधीनगर से टीसीएस तक कमर्शियल ट्रायल होगा।
- दिसंबर 2024 : सुपर कारिडोर से रेडिसन चौराहे तक कमर्शियल ट्रायल रन होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	दैनिक जागरण	इंदौर	10.01.2024	07	11 दिन बाद फिर वडोदरा से आए मेट्रो के तीन कोच	Neutral

इंदौर के गांधी नगर डिपो में पटरी पर क्रेन की मदद से रखा, एक ट्रेन का हो चुका है ट्रायल रन

11 दिन बाद फिर वड़ोदरा से आए मेट्रो के तीन कोच

जागरण इंदौर। मेट्रो कोच की तीसरी खेंप आई है। 11 दिन में छह कोच इंदौर आ चुके है। साढ़े तीन माह में अब तक तीन मर्तबा कोच आ चुके है। एक ट्रेन का ट्रायल रन भी हो चुका है। इंदौर में मेट्रो के ट्रायल रन के लिए बड़े ट्रालों पर सवार होकर मेट्रो के तीन कोच मंगलवार सुबह आए है। उन्हें क्रेन की मदद से ट्रालों से उतारकर पटरी पर रखा गया। अब दो दिन तक उन्हें जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके बाद उन कोचों का ट्रायल होगा। 29 दिसंबर को भी तीन कोच इंदौर आए थे। इंदौर में कुल 27 मेट्रो ट्रेन संचालन के लिए आना है। एक ट्रेन तीन कोच की है। इस हिसाब से अब तक तीन मेट्रो ट्रेन आ चुकी है। एक ट्रेन में यात्रियों की क्षमता 400 से ज्यादा है। इंदौर मेट्रो के लिए मेट्रो ट्रेन का निर्माण वड़ोदरा के सांवली में किया जा रहा है। अब आने वाले दिनों में धीरे-धीरे 24 और कोच आएंगे। गांधी नगर डिपो में इन

कोचों को रखने की व्यवस्था की गई है। डिपो में मेट्रो संचालन के लिए एक कमांड सेंटर भी बन रहा है। जहां से मेट्रो के संचालन पर नजर रखी जाएगी। मंगलवार को इंदौर आए मेट्रो के तीन कोच वड़ोदरा से दस दिन पहले बड़े ट्रालों में सवार होकर इंदौर के लिए भेजे गए। हर दिन में 40 से 60 किलोमीटर का सफर तय कर ट्रालों ने कोच को इंदौर पहुंचाया है। सोमवार रात ट्रालों ने इंदौर की सीमा में प्रवेश कर लिया था। मंगलवार सुबह कोच गांधी नगर मेट्रो डिपो पर पहुंचे और उन्हें भारी भरकम क्रेनों की मदद से पटरी पर उतारा गया।

इस साल होगा 17 किमी का ट्रायल रन

सितंबर माह में मेट्रो के 17 किलोमीटर हिस्से का ट्रायल रन होना है। विधानसभा चुनाव के पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गांधी नगर डिपो से मेट्रो के पहले स्टेशन तक पांच किलोमीटर का ट्रायल रन लिया था। अब अगला ट्रायल रन गांधी नगर डिपों से रेडिसन चौराहा तक 17 किलोमीटर तक किया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	पीपुल्स समाचार	इंदौर	18.01.2024	5	तीन चरणों में पटरियां डालने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सौंपी साइड, मेट्रो के पहले चरण का अंतिम ट्रैक निर्माण शुरू	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
इंदौर सिटी Page: 5 January 18, 2024

तीन चरणों में पटरियां डालने के लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सौंपी साइड

मेट्रो के पहले चरण का अंतिम ट्रैक निर्माण शुरू

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 7879619664

इंदौर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण दो चरणों में 31.55 किलोमीटर में पूर्ण किया जाना है। वर्तमान में पहले चरण का सिविल निर्माण कार्य 90 फीसदी पूरा हो चुका है, जो कि गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक 17.5 किलोमीटर में बनाया जा रहा है। बीते साल इसी हिस्से में सितंबर-2023 में 5.9 किलोमीटर के हिस्से में ट्रॉयल रन किया गया था। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा अब आगे का ट्रैक निर्माण पूरा होने के बाद यहां पटरियां बचाने के लिए तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अप्रैल से में माह के बीच में कमर्शियल रन ट्रैक पर शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें आम नागरिक भी मेट्रो का सफर कर सकेंगे। इसके साथ ही पूरे पहले चरण का निर्माण कार्य और पटरियां डालने के साथ ट्रॉयल रन तेजी से किया जाए... इसके प्रयास जारी हैं। हाल ही में आईएसबीटी एमआर-10 से लेकर रेडिसन चौराहे तक पिलर निर्माण पूर्ण होने के साथ ही सेगमेंट लॉन्चिंग कर ट्रैक बना दिया गया है, जिसमें तीन हिस्सों में पटरियां डालने का काम शुरू करने के लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा इंदौर में पटरियां बिछाने वाली कंपनी टैक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड को सौंपा गया है।

- 1. एमआर-10 ब्रिज से लेकर चंद्रगुप्त चौराहे।
- 2. चंद्रगुप्त चौराहे से सुखलिया।
- 3. सुखलिया से विजयनगर।

इन दो स्थानों पर 10 फीसदी बचा सिविल वर्क

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के टेक्निकल डायरेक्टर शोभित टंडन ने बताया कि इंदौर में पहले चरण का सिविल वर्क तेजी से पूर्ण करने की दिशा में काम किया जा रहा है। यह 90 फीसदी पूरा हो चुका है। एयरपोर्ट से लेकर गांधीनगर चौराहे तक काम की गति बढ़ाई गई है। यहां पिलर का निर्माण पूरा हो चुका है। उस पर कैपिंग की जा रही है। इसके अलावा भौंरासला चौराहा से लेकर एमआर ब्रिज तक निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। यहां पिलर निर्माण के साथ ही कैपिंग का काम किया जाना है।

यहां अलग-अलग हिस्सों में डलेंगी पटरियां

इसके साथ ही हाल ही में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा आईएसबीटी एमआर-10 ब्रिज से लेकर रेडिसन चौराहे तक 5.29 किलोमीटर के ट्रैक पर पटरियां डालने के लिए तीन साइड ठेकेदार कंपनी को दी गई हैं, जिसके तहत इन तीन साइटों पर पटरियां बिछाई जाएंगी। टेक्निकल डायरेक्टर टंडन ने बताया कि चौथी ट्रैक साइट भी जल्द ही तैयार हो जाएगी, जो कि विजयनगर से रेडिसन चौराहे तक होगी। यह भी आगामी एक सप्ताह में पटरियां बिछाने को सौंपी जाएंगी।

जहां मेट्रो ट्रॉयल, वहां सेफ्टी क्लीयरेंस की तैयारी

तकनीकी डायरेक्टर टंडन ने इंदौर मेट्रो के प्रोजेक्ट को तय समय सीमा में पूरा करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सितंबर माह में 5.9 किलोमीटर में ट्रॉयल रन लिया गया था, जो कि गांधीनगर स्टेशन से लेकर टीसीएस चौराहे के मेट्रो स्टेशन तक था। इस ट्रैक का सेफ्टी क्लीयरेंस लेने की तैयारी की जा रही है। स्टेशन का सिविल वर्क भी यहां पूरा किया जा रहा है, वहीं इसके आगे के काम को अप्रैल से जून माह के बीच में अप एंड डाउन पटरियां बिछाने स्टेशन तैयार करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में ट्रैक बिछाने का काम रोबोट चौराहे से रेडिसन चौराहे के बीच में शुरू कर दिया गया है, जिसके लिए रोबोट चौराहे की ओर से लांचर मशीन के माध्यम से सेगमेंट लॉन्च किए जाएंगे, ताकि यह आने वाले 15 दोनों में ट्रैक बंद कर तैयार हो जाएं।

Metro News
24.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	Free Press Journal	Indore	24.01.2024	03	Trial run of the new coaches of indore Metro underway at Gandhi Nagar Depot	Neutral

03 INDORE CITY
INDORE | WEDNESDAY | JANUARY 24, 2024 www.freepressjournal.in

Trial run of the new coaches of Indore Metro underway at Gandhi Nagar Depot PIC BY ANAND SHIVRE